खनन विभाग की मेहनत रंग लाई, बंद हुआ ओवरलोड

किच्छा- विपक्षी चाहे कितना ही अवैध खनन का आरोप लगाए लेकिन खनन विभाग न सिर्फ सरकार को राजस्व दे रहा है बल्कि आम जनता के हितों का ध्यान रखने के लिए भी लगातार प्रयास कर रहा है। खनन विभाग की सख्ती के चलते ही खनन से लदे ओवरलोड वाहनों का संचालन बंद हो गया है अब गाड़ियां निर्धारित मात्रा में ही खनन सामग्री लेकर परिवहन कर रही हैं। इसके साथ ही खनन विभाग द्वारा दिए गए निर्देशों के क्रम में सभी खनन वाहन खनन सामग्री को ढक कर ले जा रही है जिससे आम जनता को खनन वाहनों से उड़ने वाली धूल से निजात मिल सके। यहां बता दें कि खनन विभाग द्वारा सरकार को लगभग 1100 करोड़ का राजस्व प्रदान किया गया है मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के कुशल मार्गदर्शन और खनन निदेशक राजपाल लेघा के दिशा निर्देशन में खनन विभाग पूरी पारदर्शिता, ईमानदारी और पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ आम आदमी के हितों को ध्यान में रखते हुए अपनी नीतियों को धरातल पर उतर रहा है। इसी का परिणाम रहा है कि खनन कार्य में अपने वर्ग में उत्तराखंड केंद्र स्तर पर दूसरे नंबर पर रहा है और केंद्र सरकार द्वारा उत्तराखंड को 100 करोड रुपए की राहत राशि प्रदान की जानी है। उधम सिंह नगर में खनन विभाग द्वारा सभी खनन कारोबारी को जनता के हितों को ध्यान में रखते हुए ओवरलोड वाहनों के संचालन को बंद करने तथा खनन सामग्री को ढक कर परिवहन करने की सख्त हिदायत दी गई है जिसका खनन कारोबारियों द्वारा पूर्णत: पालन किया जा रहा है। खनन विभाग और खनन कारोबारियों की इस कार्रवाई का आम जनता ने हृदय से स्वागत किया है। लोगों का कहना है कि खनन कारोबार से सैकड़ो लोगों की रोजी-रोटी चलती है। लेकिन खनन विभाग और खनन कारोबारी द्वारा जनता के हितों का भी ध्यान रखा जा रहा है जो की एक सराहनीय कदम है।